काव्याऽमृतप्रवाह ।

कला

श्रीहरिश्चन्द्रकला ।

अथवा

गोलोकवासी भारतभूषण भारतेन्दु श्रीहरिश्चन्द्र का जीवन-सर्वस्व ।

पञ्चम भाग ।

जिसमें

उक्त महामान्य सुप्रसिद्ध कवि-शिरोमणि रचित अपूर्व कविताओं का अनमोल खजाना है ।

क्षत्रिय-पत्रिका-सम्पादक स्वर्गीय म० कु० बा० रामदीन सिंह संकलित और तदात्मज रायबहादुर रामरणविजय सिंह द्वारा प्रकाशित ।

पटना—खड्गविलास प्रेस—बांकीपुर ।

रामप्रसाद सिंह द्वारा मुद्रित ।

ह० सं० ४३ } १६८४ । { सन् १६२७ ईस्वी

नूतन संस्करण